(b.) The news-item referred to re lates to a loan application of a resi- rent of Sultanpur District (Uttar Pra desh) for acquiring a new truck with the financial assistance from Bank of Baroda branch at Sultanpur (Uttar Pradush).

(c) Bank of Baroda which considered the application has reported that the project was not economically viable and could not be considered favorably.

Promotion of senior regional manager, Food Corporation of India, Punjab region

21Q6. SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Will the PRIME MINISTER be pleased: to state;

(a) whether an I. A. S. officer at present . Senior Regional Manager, Food Corporation of India, Punjab Region, is due for promotion in normal course;

(h) if s, th. s details thereof;

(c) whether Government are aware that . with 3 view to continue on the present post the said official has refused promotion; " and

if so, the details thereof and ihe reasons therefor in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) No, Sir.

(b) to (d). Do not arise.

स्टेट बैंक आफ इन्दौर द्वारा विदेश व्यापार हेतु अग्रिम की सुविधाएं

2107. **श्री कलाशपति मिश्र** : क्या **प्रधान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर की दिल्ली शाखा ने विदेश व्यापार के तहत कुछ फर्मों को लगभग एक करोड़ रुपए के अग्रिम की सुविधा दी थी,

(ख) यदि हां, तो इतनी बड़ी रकम अथवा अग्रिम राशि की वसूली न किए जाने के क्या कारण हैं, और

(ग) बैंक द्वारा दोषी अधिकारियों के विरुद्ध क्या कदम उठाया गया है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) से (ग) स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर ने सूचित किया है कि उसकी चांदनी चौक शाखा ने दो आयातकों की ओर से कुछ प्रत्यय पत्र खोलने की अनुमति दी थी । आयातकों द्वारा प्रत्यय पत्रों से संबंधित दस्तावेज समय पर नहीं छुड़ाए गए । उक्त प्रत्यय पत्रों के अन्तर्गत आयातित कुछ माल बम्बई बन्दरगाह पर पड़ा है क्योंकि माल छुड़ाने के लिए आयात-निर्यात के संयुक्त मुख्य नियंत्रक द्वारा निर्धारित कुछ शर्तें पूरी नहीं की गई । परिणाम-स्वरूप 30 जून, 1986 को इन प्रत्यय पत्रों के कुल 76.98 लाख रुपये की रकम बकाया थी । चूंकि स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर को अपनी रकमों की वसूली के प्रयासों में सफलता नहीं मिली इसलिए वह आयातकों/ठेकेदारों के विरुद्ध सिविल मुकदमे दायर करने की व्यवस्था कर रहा है । बैंक ने कर्मचारियों की तरफ से हुई प्रक्रियात्मक त्रुटियों की भी जांच की है । दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए बैंक द्वारा स्टाफ से प्राप्त स्पष्टीकरणों की जांच की जा रही है ।

2108. [*Transfered to the 8th May, 1987*]

सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया की राजकोट शाखा द्वारा दिया गया ऋण

2109. श्री रामसिंहभाई पातलीया-भाई राठवा : क्या **प्रधान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि व्यापार/कार्य करने के लिए अनेक व्यक्तियों ने सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया की राजकोट शाखा से ऋण प्राप्त किया था लेकिन

व्यापार/कार्य न करके उन्होंने बैंक को धोखा दिया है,

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है तथा इन व्यक्तियों ने ऋण की कितनी धनराशि ली थी तथा इन व्यक्तियों के नाम क्या हैं ;और

(ग) बैंक द्वारा इस संबंध में क्या कार्यवाही की गयी है और उसका ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) से (ग) सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने सूचित किया है कि शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार देने की योजना के अंतर्गत व्यापार, धन्धा शुरु करने के लिए बैंक की राजकोट शाखा ने ऋणकर्ताओं ने ऋण प्राप्त किए थे । लेकिन उन्होंने ऋण की रकम का उस प्रयोजन के लिए उपयोग नहीं किया , जिसके लिए उन्हें ऋण दिया गया था । इन ऋण कर्ताओं को कुल मिलाकर 1.36 लाख रुपये की ऋण सीमाएं मंजूर की गई थीं और इन खातों में ऋण की 1.73 लाख रुपये की राशि बकाया है । ये ऋण वैल्डिंग और खराद की मशीनें लगाने तथा बर्तन, किराना तथा पान बीड़ी आदि जैसी विभिन्न वस्तुओं की दुकानें खोलने के लिए मंजूर किए गये थे । बैंक ने अपने हितों की रक्षा तथा बकाया ऋणों की वसूली के लिए अपराधिक सिविल मामले दायर कर दिए हैं । लेकिन बैंकों के राष्ट्रीयकरण को नियंत्रित करने वाले कानूनों तथा बैंकों में प्रचलित रीति-रिवाजों के आधार पर प्रत्येक अलग ऋण खाते के नाम और ऋण राशियों का ब्यौरा प्रकट नहीं किया जा सकता है ।

Meeting of the Gujarat Chief' Minister viifii the Prime Minister

iRI RAMSINGHBHAI PA1 LIYABH AI RATHVAKO t J PRIME MINISTER

(a) whether it. is a. e Chief Minister of Gujarat bad met the Prime Minister during the period between 1st January, and 20th April, 1987 and had Bed various issues, problem projects of Gujarat for sanction and clearance;

(b) if so, what are the details of the said talks and the letters and memoranda "received by the Prime Minister - regard;

(c) what action has been taken in the matter; and

(d) when the next round of talks' for clearance of various projects pending for long in the Centre is likely to be held?

THE MINISTER, OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING (SHRI 9UKH RAM) (a) and (b) Yes, Sir. The Chief Minister, Gujarat has addressed letters- to Prime Minister on:

(1) Allocation of gas for power ge ration.

. (2) Additional Special Central tance to meet drinking water scarcity in drougru affected areas in the Stall

(?) Establishment of a Cracker Complex; it Kawas near Surat;

(4) iistablishment of Electronic Complex in the tribal taluka, Vyara.

(c) The proposals are under examina tion of concerned Central M

(d) No date has been fixed.

Loans given by Rajkot Nagrik Bank Ltd.

2111. SHRI RAMSINGHBHAI PATA-LIYABHAl RATHVAKOLI; Will the PRIME MINISTER be pleased to state:.

(a) whether it is a fact that th ex-chairman Directors ex-Direc others of Rajkot Nagrik /Bank Ltd., of fdfjkot in Gujarat State are involved in nd other illegal acts and activities;

(b) whether hat bete are complaints that loans amounting to crorcs of rupees have been given by the fwhicheventitlehave not been 1 nd

(c) if so, the details thereof and the action taken on each such ones who are